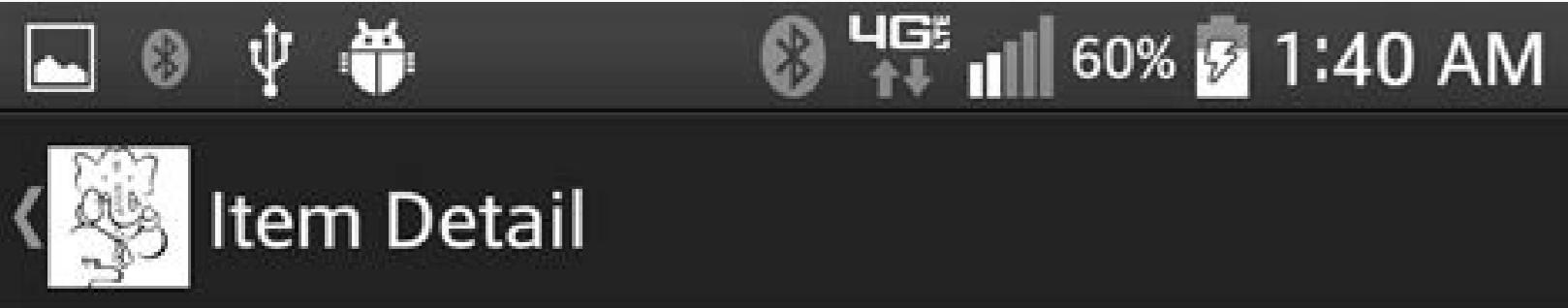


Continue

61270509.096774 56910988.958333 66133010.3 25075131.037975 20186164.910714 26022625.264706 5402305064 2112166.8604651 4199787.2205882 90284216188 111520078352 8061361.4102564 49255874910 3950344670 11288264292 27823174522 27765132875 3181030.24 32765211192 38175687775 48100814649 52001365225
87447625320



Item Detail

French to English

आरती मंगलमूर्तीची S3.0

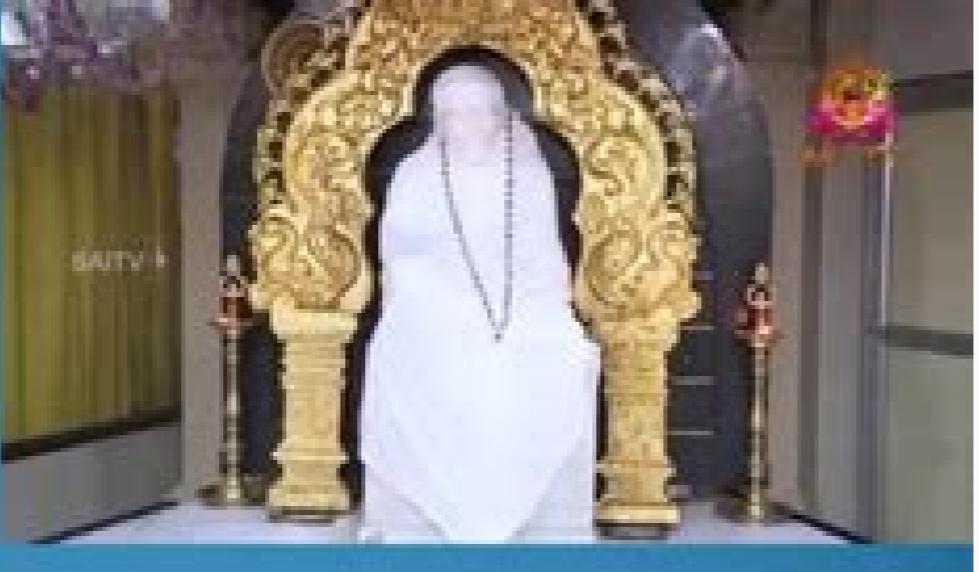
नानापरिमळ दुर्वा शेंदूर शमिपत्रे ।
 लाङू मोदक अन्ने परिपूरित पात्रे ।
 ऐसे पूजन केल्या बीजाक्षरमंत्रे ।
 अष्टहि सिद्धी नवनिधी देसी क्षणमात्रे ॥१॥

जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती।
तुझे गुण वर्णया मज कैची स्फूर्ती ॥८॥

तुझे ध्यान निरंतर जे कोणी करिती।
 त्यांची सकलही पापे विघ्नेही हरती।
 वाजी वारण शिखिका सेवक सुत युवती।
 सर्वहि पावती अंती भवसागर तरती॥ जय देव.॥२॥

शरणांगत सवेस्वे भजती तव चरणी।
कीर्ती तयांची राहे जोवर शशितरणि।
त्रैलोक्यी ते विजयी अद्भूत हे करणी।
गोसावीनंदन रत नामस्मरणी।

जय दव जय दव.॥३॥



Created by

umasreedasan

<http://LampofSurrender.blogspot.in>

€
r-
~
¤
¤
t
°